हिमाचल अभी अभी

नई सोच नई खोज

साप्ताहिक

/himachal.abhiabhi @himachal_abhi

RNI No. HPHIN/2015/68432 वर्ष 10 अंक 38 कांगड़ा। शनिवार, 18 जनवरी-24 जनवरी, 2025 www.himachalabhiabhi.com तदनुसार 05 माघ, विक्रमी संवत् 2081 कुल पृष्ठ 4 मूल्य ₹5 | Postal Regn.No. DGPUR/26/24-26

ज्यादा सोना सही या गलत

-पढ़ें पेज 3

मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान

हिंदू धर्म में मौनी अमावस्या के दिन स्नान के साथ-साथ दान का भी बहुत महत्व माना गया है। हिंदू पंचांग के अनुसार, 29 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त 5 बजकर 25 मिनट पर शुरू हो रहा है। ये ब्रह्म मुहूर्त 6 बजकर 19 मिनट पर समाप्त होगा। ऐसे में इसी मुहूर्त में स्नान और दान करना शुभ रहेगा...

महाकुंभ का पहला अमृत स्नान 14 जनवरी को संपन्न हो चुका है। इस दिन बड़ी तादाद साधु संतों और श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। अब साधु संतों और श्रद्धालुओं को महाकुंभ के दूसरे अमृत स्नान की प्रतीक्षा है। महाकुंभ मौनी अमावस्या के दिन के होने वाले स्नान का विशेष महत्व है। इस बार मौनी अमावस्या पर कई शुभ योग बन रहे हैं। चंद्रमा और सूर्य मकर राशि में होने के साथ ही गुरु वृषभ राशि में रहेंगे, जो इस स्नान को और भी महत्वपूर्ण बनाते हैं। इस दिन महाकुंभ का दूसरा अमृत स्नान होगा, जिसे अत्यंत पुण्यदायी माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, महाकुंभ के दौरान होने वाले अमृत स्नान के अवसर पर जो भी गंगा समेत पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी मारता है उसे मोक्ष मिलता है। साथ ही घर में सुख समृद्धि आती है। ऐसे में आइए जानते हैं कि महाकुंभ में दूसरा अमृत स्नान किस दिन किया जाएगा। साथ ही स्नान-दान का शुभ मुहूर्त और महत्व क्या है?

हिंदू धर्म में मौनी अमावस्या के दिन स्नान के साथ-साथ दान का भी बहुत महत्व माना गया है। हिंदू पंचांग के अनुसार, 29 जनवरी को ब्रह्म मुहूर्त 5 बजकर 25 मिनट पर शुरू हो रहा है। ये ब्रह्म मुहूर्त 6 बजकर 19 मिनट पर समाप्त होगा। ऐसे में इसी मुहूर्त में स्नान और दान करना शुभ रहेगा। अगर कोई ब्रह्म मुहूर्त में स्नान या दान नहीं कर पाता तो सूर्योदय से सूर्यास्त तक कभी भी स्नान और दान कर सकता है। मौनी अमावस्या पर अमृत स्नान का महत्व इसलिए भी और अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि मान्यता है कि इस दिन पितर धरती पर आते हैं। इस दिन संगम में स्नान के साथ-साथ पितरों का तर्पण और दान भी करना चाहिए। अमृत स्नान की तिथियां ग्रहों की चाल और स्थिति देखकर तय की जाती हैं। मौनी अमावस्या का अमृत स्नान हर किसी को करना चाहिए। इस दिन स्नान करने से सभी पापों का नाश हो जाता है।

■ पं. नित्यानंद